राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल ने जनप्रतिनिधियों को कोरोना नियंत्रण में सहयोग करने के लिए लिखा पत्र

घरों में ऑक्सीजन और जीवन रक्षक दवाइयों का अनावश्यक भण्डारण न करने का भी किया अनुरोध

उपलब्ध संसाधनों का योजनाबद्ध तरीके से प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो

–राज्यपाल

जयपुर, 27 अप्रैल। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने राज्य के विधायकों, सांसदों, अधिकारियों, चैरिटेबल संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं से अपील की है कि कोरोना महामारी से बचाव इंतजामों के लिए प्रशासन का सहयोग करें और प्रदेश के उपलब्ध संसाधनों का योजनाबद्ध तरीके से प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने में मदद कर आम जन को राहत प्रदान करें। उन्होंने इस संबंध में राज्य के सभी विधायकों और सांसदों को पत्र लिखकर उन्हें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर कोरोना बचाव और आम जन को राहत पहुंचाने के प्रयास किए जाने का अनुरोध किया है।

श्री मिश्र ने सभी दलों को संकट की इस घड़ी में एकमत होकर कार्य करने का अनुरोध करते हुए प्रमुख सामाजिक संस्थाओं, चैरिटेबल ट्रस्ट, सामाजिक संगठन, रेडक्रॉस, एन.सी.सी., एन.एस.एस., स्काउट गाइड आदि के सहयोग से इस महामारी की रोकथाम के लिए नागरिकों को जागरूक करने पर भी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र के कोरोना संक्रमित व्यक्तियों तक यह संदेश पहुंचाया जाए कि कोविड से संक्रमित अधिकतम व्यक्ति स्वस्थ हो रहे हैं ताकि उनके मनोबल में वृद्धि हो सके।

राज्यपाल ने जन प्रतिनिधियों को आम जन को टीकाकरण के लिए जागरूक करने और अधिकाधिक लोगों के टीकाकरण को सुनिश्चित किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रयास यह हो कि एक भी पात्र व्यक्ति टीके से वंचित नहीं रहे।

जिन परिवारों के सदस्य कोरोना से संक्रमित होकर चिकित्सालयों में भर्ती हैं उनसे राज्यपाल श्री मिश्र ने अपील की है कि वे चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ पर पूर्ण विश्वास रखें। यह सभी रात–दिन सेवा में लगे हुए हैं। चिकित्सकों पर अनावश्यक दबाव न बनायें। उन्होंने लोगों से यह अनुरोध भी किया है कि वे अपने घरों में ऑक्सीजन और जीवन रक्षक दवाइयों का अनावश्यक भण्डारण न करें, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर ऑक्सीजन उपलब्ध करवाकर उनकी जान बचायी जा सके।

श्री मिश्र ने राज्य के सभी नागरिकों से अपनी अपील में कहा है कि इस वैश्विक महामारी को अनुशासन, सकारात्मकता, जीवटता और टीकाकरण से ही हरा सकते है। कोविड प्रोटोकॉल की कठोरता से पालना करते हुए सभी अपने अपने परिजन, मित्रों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर अपना सामाजिक और नागरिक धर्म निभायें।

————